हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

फाइनेंशियल पार्क और स्टार्टअप इंक्यूबेशन... 11

विद्यार्थियों की मुस्कान ही असली सफलता... 11

खबर संक्षेप

अवैध शराब के साथ वेटर गिरफ्तार, 20 पौवा जब्त

कांकेर। थाना चारामा पुलिस ने 27 अप्रैल को अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। सहायक उपनिरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम एवं साइबर टीम क्षेत्र भ्रमण पर थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि आयुष बिरयानी ढाबा में कार्यरत वेटर परमेन्द्र साहू शराब बिक्री हेतु ला रहा है। उसके कब्जे से सफेद थैले में रखे 20 पौवा देशी प्लेन शराब बरामद की गई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया तथा उसके विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(1)(क) के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच जारी

कांकेर। कोतवाली अंतर्गत सिदेसर निवासी 28 वर्षीय युवक विजय नेताम पिता स्व. रामाराम ने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। कोड़जुंगा निवासी 60 वर्षीय दिनेश नेताम ने पुलिस को जानकारी दिया पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को कब्जे में लिया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

वृद्ध की मौत के मामले की जांच शुरू

कांकेर। चारामा क्षेत्र में 26 जनवरी को श्रवण तारम और मोतीराम जुर्री स्कूटी से चारामा मेला देखने गए थे। शाम करीब 5 बजे एनएच-30 स्थित धम्म विहार विपश्यना केंद्र के पास सड़क किनारे दुकान जाते समय एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनों को गंभीर हालत में पहले सीएचसी चारामा, फिर धमतरी और बाद में रायपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 6 फरवरी को मोतीराम जुर्री की मृत्यु हो गई। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नदी-नालों की बाधाएं होंगी खत्म, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेज हुआ निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अलग खबर

जिले में आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सरकार ने 13 नए उच्च स्तरीय पुलों को स्वीकृति दी है। इन पुलों के निर्माण से खासकर दूरस्थ और नदी-नालों से घिरे क्षेत्रों के हजारों ग्रामीणों को सालभर सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। अब बारिश के मौसम में जान जोखिम में डालकर नदी पार करने की मजबूरी धीरे-धीरे खत्म होती नजर आएगी।

प्रदेश के विष्णुदेव सरकार ने विधायक विक्रम उसेंडी और आशाराम नेताम की अनुशंसा पर कई महत्वपूर्ण पुलों के लिए भी प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। अंतागढ़-बेड़मा मार्ग में निर्गुण नाला, चारामा के पास सिरसिदा नाला, कोरर क्षेत्र के जंजालीपारा, संबलपुर-सिलपट मार्ग के संबलपुर नाला और ईच्छापुर-घोटिया मार्ग में दूध नदी पर पुल निर्माण की योजनाएं टेंडर प्रक्रिया में हैं। चारामा विकासखंड के टांहकापार में महानदी पर लगभग 28.06 करोड़ रुपए की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण प्रस्तावित है, जो इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी सौगात साबित होगा। ताड़ोकी में निब्रा (मेढकी) नदी पर भी पुल निर्माण को मंजूरी मिली है। कोयलीबेड़ा विकासखंड के छोटेबेठिया क्षेत्र के बेलगाल और भानुप्रतापपुर-पखांजूर मार्ग के पासंगी नाला पर पुल निर्माण के लिए भी स्वीकृति दी गई है, जिनकी तकनीकी प्रक्रिया फिलहाल जारी है। इन सभी पुलों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक गतिविधियों को भी नया संबल मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही यह पहल क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी।

13 उच्च स्तरीय पुलों से बदलेगी आवागमन की तस्वीर
- जान जोखिम में डाल नदी पार से मुक्ति
- करोड़ों की लागत से बदलेगी ग्रामीण कनेक्टिविटी

4 पुल के निर्माण कार्य हुए शुरू

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग कांकेर के कार्यपालन अभियंता राजेन्द्र सोनकर ने बताया कि रावघाट क्षेत्र में मेढकी नदी पर लगभग 5.12 करोड़ रुपए की लागत से, सोनपुर-नारायणपुर मार्ग पर कोटरी नदी के बेचाघाट में 15.52 करोड़ रुपए की लागत से और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग में खंडी नदी पर 6.17 करोड़ रुपए और कांकेर-देवरी मार्ग में चिनार नदी पर 8.98 करोड़ रुपए की लागत से पुल निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कार छोड़कर फरार हुए थे आरोपी, नंबर प्लेट से खुला राज

पुलिस ने यूपी से दबोचे अंतर्राज्यीय गिरोह के दो फरार गांजा तस्कर

- नरहरपुर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य मुखबिर तंत्र से मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नरहरपुर पुलिस की सतर्कता, तकनीकी सूझबूझ और लगातार दबिश का नतीजा आखिरकार सामने आ ही गया। 17 दिन पहले पकड़ी गई संदिग्ध कार से बरामद 67 किलो गांजा मामले में पुलिस ने लंबी दूरी तय करते हुए उत्तर प्रदेश से दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई न केवल पुलिस की दक्षता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि अपराधी चाहे जितनी दूर भाग जाएं, कानून की पकड़ से बच पाना आसान नहीं है। जिले के नरहरपुर थाना क्षेत्र में 11 अप्रैल को एक बड़ी कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोका था। हालांकि कार में सवार आरोपी मौके से फरार हो गए थे, लेकिन तलाशी के दौरान वाहन से करीब 67 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई। इस मामले ने तत्काल पुलिस महकमे को सतर्क कर दिया और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई। जांच के दौरान कार पर दो अलग-अलग नंबर प्लेट मिलने से मामला और पेचीदा हो गया। एक नंबर प्लेट ओडिशा की (ओडी 10 जे 3344) थी, जबकि दूसरी उत्तर प्रदेश की (यूपी 14 डीएल 4480) पाई गई। गहन जांच में सामने आया कि वाहन का वास्तविक नंबर यूपी का ही है। पुलिस ने वाहन के पंजीयन की जानकारी जुटाते हुए बदायूं (उत्तर प्रदेश) तक अपनी जांच का दायरा बढ़ाया। कार एक महिला के नाम पर पंजीकृत थी, लेकिन जांच में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने वाहन खरीदने के बाद उसका नामांतरण नहीं करवाया था। तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए रखी। करीब 17 दिनों की लगातार मेहनत के बाद नरहरपुर पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश पहुंचकर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजीव कुमार (30 वर्ष), निवासी गिहार बस्ती मिरासराय, बदायूं और अभिषेक साहू (32 वर्ष), निवासी शिवपुरम, बदायूं के रूप में हुई है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

ओडिशा से यूपी तक फैला अंतरराज्यीय गांजा नेटवर्क

मुस्लिम गैंग से मिला था ठिकाना

प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी लंबे समय से अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क से जुड़े हुए थे। पुलिस को यह भी संकेत मिले हैं कि बदायूं के एक मुस्लिम गैंग के माध्यम से अभिषेक साहू की मुलाकात संजीव कुमार से हुई थी। इसी नेटवर्क के जरिए उन्हें ओडिशा से गांजा लाने का ठिकाना बताया गया था। हालांकि पूछताछ के दौरान आरोपी उस ठिकाने की सटीक जानकारी देने में असमर्थ रहे और लगातार भ्रामक बयान देते रहे, जिससे जांच और गहराई से की जा रही है।

कार्रवाई करने में यह टीम रही शामिल

इस पूरी कार्रवाई में नरहरपुर थाना प्रभारी निरीक्षक सोमेश सिंह बघेल के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में उप निरीक्षक प्रेम शंकर ठाकुर (चौकी दुधावा), सहायक उप निरीक्षक बुधारू राम मरकाम, आरक्षक डुमेश साहू, महिला आरक्षक पूर्णिमा शोरी और आरक्षक भूपेश नेताम शामिल रहे।

मेला देखने जा रहे युवक की दर्दनाक मौत के मामले में जांच

मैजिक वाहन चालक पर दर्ज हुआ अपराध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

पखांजूर मार्ग पर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों के माहौल को मातम में बदल दिया। मेला देखने जा रहे तीन युवाओं की बाइक को तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवतियां घायल हो गईं। जाँच के बाद पुलिस ने मैजिक वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

जानकारी के अनुसार थाना बांदे क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पीव्ही 74 गौरीशंकरनगर निवासी 19 वर्षीय विगत दिनों अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 04 ईसी 6177 से अपनी बहन सोनाली सरकार एवं तनुषा मंडल को पीछे बैठाकर पखांजूर मेला देखने जा रहा था। मोटर सायकल जैसे ही वे ग्राम फुरफुंदी के पास मेन रोड पर पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रही मैजिक वाहन क्रमांक सीजी 07 टी 2189 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सुमित सरकार को सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं, वहीं सोनाली सरकार और तनुषा मंडल भी घायल हो गईं। तीनों को तत्काल उपचार के लिए पखांजूर के अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें बेहतर इलाज हायर सेंअर रिफर किया गया। घायलों के परिजनों ने तीनों को धमतरी में भर्ती कराया गया। धमतरी के अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद सुमित सरकार को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।

विवेचना में लिया जाएगा

प्रकरण में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान गवाहों के बयान, शव पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि दुर्घटना मैजिक वाहन चालक की लापरवाही के कारण हुई। इस पर आरोपी चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125(ए) एवं 106(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

दिव्यांग बहन पर कुर्सी से हमला बचाने आए पड़ोसी से भी मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अंतागढ़ क्षेत्र में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब एक व्यक्ति ने अपनी ही विकलांग बहन पर हमला कर दिया और बीच-बचाव करने आए पड़ोसी को भी नहीं बख्शा। घटना ने इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है। अंतागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत मद्रासीपारा वार्ड में 26 अप्रैल की रात लगभग साढ़े 8 बजे यह घटना घटित हुई। जानकारी के अनुसार वार्ड निवासी 45 वर्षीय पनकुराम सलाम ने थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर बताया कि उनके पड़ोसी सुधराम सलाम ने किसी पारिवारिक विवाद के चलते अपनी बहन इतवारीन दुग्गा पर प्लास्टिक की कुर्सी से हमला कर दिया। इतवारीन दुग्गा एक पैर से दिव्यांग बताई जा रही हैं, जिससे वह अपना बचाव करने में असमर्थ थीं। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उन्होंने मानवता के नाते बीच-बचाव करने का प्रयास किया, तो आरोपी सुधराम सलाम ने उन्हें भी निशाना बना लिया। आरोप है कि उसने आवेदक को अश्लील गालियां दीं और जान से मारने की धमकी देते हुए उन पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान पनकुराम सलाम को जमीन पर पटक दिया गया और उनका गला दबाया गया, जिससे उनके गले और बाएं घुटने में चोटें आई हैं।

▶▶| शेष पेज 10 पर

जनगणना में कॉलम न होने पर बढ़ा विरोध

कांकेर। पिछड़ा वर्ग ने जनगणना प्रक्रिया को लेकर नाराजगी जताई है। जिलाध्यक्ष माथेश्वर जैन ने प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम नहीं होने से वास्तविक आबादी का आंकलन संभव नहीं होगा। उन्होंने इसे गंभीर और सुनियोजित अनदेखी बताते हुए कहा कि गिनती बिना हक तय नहीं हो सकता। इसके साथ ही 27 प्रतिशत आरक्षण लागू न होने पर सरकारों की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने जनगणना में संशोधन की मांग करते हुए चेतावनी दी कि जल्द कदम नहीं उठाए गए तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर राज्यसभा सांसद ने केंद्र सरकार को घेरा

- राजीव भवन में मीडिया से फूलोदेवी हुई रूबरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

राजीव भवन में मीडिया से रूबरू होते हुए राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम ने केंद्र की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा जनता को गुमराह कर रही है और इसके पीछे उसकी असली मंशा राजनीतिक लाभ लेना है। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में राजीव भवन कांकेर में आयोजित प्रेस वार्ता में राज्यसभा सांसद ने कहा कि 15 सितंबर 2023 को केंद्र सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को विपक्ष के पूर्ण समर्थन के बावजूद अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कानून का नोटिफिकेशन जारी न होने से यह अधर में लटका हुआ है, जबकि इसका उद्देश्य संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना था। उन्होंने 16 अप्रैल 2026 को भाजपा द्वारा लाए गए संशोधन विधेयक पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, यह संशोधन महिला आरक्षण से ज्यादा परिसीमन और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े प्रावधानों पर केंद्रित था। इसमें लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने और 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने की बात कही गई, जिससे सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की नीयत साफ है, तो बिना परिसीमन के इंतजार किए वर्तमान सीटों पर ही 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सकता है। विपक्षी दलों ने इस संशोधन को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसका विरोध किया और इसे सदन में पारित नहीं होने दिया। कांग्रेस का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी और अन्य विपक्षी दल कभी भी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं रहे हैं। राहुल गांधी सहित कई नेताओं ने 2023 के मूल विधेयक को उसी स्वरूप में लागू करने की मांग की है। भाजपा हर मुद्दे को चुनावी नजरिये से देख रही। भाजपा पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी हर मुद्दे को चुनावी नजरिए से देख रही है और जनता का ध्यान महंगाई, अर्थव्यवस्था और विदेश नीति जैसे असली मुद्दों से भटकाने की कोशिश कर रही है।

▶▶| शेष पेज 10 पर

शाम 6 से साढ़े 8 बजे तक सबसे ज्यादा लगता है जाम

शहर के मुख्य मार्ग पर गाड़ियां खड़ी करने में मनमानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले से गुजरने वाले मुख्य मार्ग पर सुबह आफिस समय और शाम को 6 से साढ़े 8 बजे के मध्य वाहन मालिक मनमानी ढंग से आधी सड़क पर चारपहिया वाहन को खड़ा करके दुकानों में चले जाने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाती है। शहर में सड़क किनारे ही नहीं, बल्कि कई स्थानों पर सीधे सड़क के बीचों-बीच वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। सुबह और शाम के समय जाम की स्थिति आम हो गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शहर में मंगलवार का दिन सप्ताहिक बंद रहता है और शहर में 50 प्रतिशत दुकानें फिर भी खुली रहती है। मंगलवार को तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि सड़क के एक हिस्से में कार खड़ी होने के कारण अन्य वाहनों को निकलने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को एक-दूसरे को रास्ता देने में समय लगता है, जिससे धीरे-धीरे लंबी कतारें लग जाती हैं। कई बार छोटे वाहनों के साथ-साथ मालवाहक गाड़ियां भी इस जाम में फंस जाती हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों का कहना है कि इस मार्ग पर दिनभर यातायात का दबाव बना रहता है। इसके बावजूद कोई ठोस पार्किंग व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग मजबूरी में सड़क पर ही वाहन खड़े कर देते हैं। कुछ वाहन चालक लापरवाही बरतते हुए नो-पार्किंग क्षेत्र में भी गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस अव्यवस्था के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है। अचानक सामने खड़ी गाड़ी से बचने के प्रयास में कई बार वाहन असंतुलित हो जाते हैं। इसके अलावा, आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को भी रास्ता मिलने में देरी होती है, जिससे जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में यातायात व्यवस्था और अधिक खराब हो सकती है।

यातायात विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग

नागरिकों ने यातायात विभाग से मांग किया है कि इस समस्या पर तुरंत ध्यान दिया जाए और अवैध पार्किंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। नियमित रूप से चालानी कार्रवाई और निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ सड़क किनारे स्पष्ट नो-पार्किंग संकेतक बोर्ड लगाए जाने चाहिए। इसके साथ ही, शहर में व्यवस्थित पार्किंग स्थल विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि लोग अपने वाहन सुरक्षित स्थान पर खड़े कर सकें।

डीएनए को एफएसएल रायपुर भेजा गया, पुलिस को परिजनों की तलाश

- गोविंदपुर क्षेत्र में सड़क हादसे में हुई थी मौत

कांकेर। शहर के गोविंदपुर क्षेत्र में अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए अज्ञात व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लिया था, जिससे उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। अज्ञात व्यक्ति की पहचान के लिए डीएनए को एफएसएल रायपुर भेजा गया और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास तेज कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम गोविंदपुर में गायत्री मंदिर के पास मेन रोड पर एक अज्ञात पुरुष उम्र लगभग 35 वर्ष पैदल जा रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन के चालक ने अपने वाहन को अत्यधिक तेज गति और लापरवाही से लहराते हुए चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि राहगीर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आस-पास के लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से घायल को तत्काल शासकीय कोमलदेव अस्पताल, कांकेर ले जाया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर अभिषेक परेवा ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मर्ग कायम कर जाँच में लिया गया। विदित हो कि यह घटना घटना 10 फरवरी 2026 की रात लगभग 02:10 बजे की है।

एफएसएल को भेजा गया डीएनए सैंपल

थाना कांकेर में पदस्थ प्रधान आरक्षक ने बताया कि मृतक की पहचान अभी तक सुनिश्चित नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा जिला स्तर पर ईश्तहार जारी कर पहचान की कोशिश की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात मृतक के परिजनों का पता लगाने के लिए डीएनएप प्रोफाइल तैयार करने के लिए ड्राफ्ट विधि विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है।

अज्ञात वाहन चालक पर एफआईआर दर्ज

संपूर्ण मर्ग जांच और पंचनामा कार्यवाही के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि व्यक्ति की मौत अज्ञात वाहन चालक की लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण आई चोटों से हुई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के कृत्य को अपराध की श्रेणी में रखते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

अब डर हुआ दूर, जाटलूर में लगा उम्मीदों का नया साप्ताहिक बाजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणपुर

जिले के घने जंगलों के बीच बसा अबुझमाड़ कभी डर और अनिश्चितता का पर्याय था। यहां की खामोशी में अक्सर बंदूकों की आवाज गूंजती थी। लोगों का जीवन भय के साये में सिमटकर रह गया था। लेकिन वक्त ने करवट लीऔर आज वही इलाका एक नई कहानी लिख रहा है।

कलेक्टर नम्रता जैन के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने स्थानीय स्तर पर बाजार लगाने की मांग रखी थी। कलेक्टर ने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र ही साप्ताहिक बाजार शुरू कराने का आश्वासन दिया था। ओरछा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम जाटलूर में अब हर शनिवार साप्ताहिक हाट बाजार लगने लगा है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन की पहल के बाद अब जाटलूर में नियमित रूप से शनिवार को हाट बाजार सजने लगा है। जहां पहले सन्नाटा पसरा रहता था, वहां अब बाजार की चहल-पहल देखने को मिल रही है। आसपास के गांवों से ग्रामीण यहां पहुंचकर अपनी जरूरत का सामान खरीद रहे हैं। बाजार में रंग-बिरंगी दुकानों के साथ ताजी सब्जियां, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध हो रहे हैं। इस पहल से न केवल ग्रामीणों को दूर मुख्यालय जाने से राहत मिली है, बल्कि स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है।

शासन की योजनाएं दूरस्थ गांव तक पहुंचने लगी

परिवर्तन की नींव बन रहे पुलिस कैंप

इस परिवर्तन की नींव बने हैं सरकार द्वारा स्थापित नए पुलिस कैंप। इन कैंपों ने केवल सुरक्षा ही नहीं दी, बल्कि लोगों के मन से डर को भी दूर किया। जहां पहले लोग घरों से निकलने में हिचकते थे, अब वहीं वे खुले मन से व्यापार कर रहे हैं, आपस में मिल रहे हैं और भविष्य के सपने देख रहे हैं।

सुविधाएं लोगों का जीवन बदल रहीं

धीरे-धीरे सरकारी योजनाएं भी इन दूरस्थ गांवों तक पहुंचने लगी हैं। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका से जुड़ी सुविधाएं अब लोगों के जीवन को बदल रही हैं। जाटलूर का यह छोटा-सा बाजार इस बात का प्रतीक बन गया है कि जब सुरक्षा और विकास साथ चलते हैं, तो सबसे दूर और चुनौतीपूर्ण इलाके भी नई उम्मीदों से जगमगा उठते हैं।

75 परिवारों को मिलेगी राहत

कुछ समय पहले तक आसपास के आठ गांवों के करीब 75 परिवारों को अपने जरूरी सामान के लिए दूर मुख्यालय तक जाना पड़ता था। सफर लंबा था, रास्ता मुश्किल और खतरे से भरा। लेकिन अब जाटलूर में ही बाजार लगने से उनकी जिंदगी आसान हो गई है। करीब 320 ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और बदलाव की शुरुआत है।

खबर संक्षेप

कुरंदी में वार्षिक वैशाख मेला विधायक ने की पूजा- अर्चना

जगदलपुर। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुरंदी में वार्षिक वैशाख मेला के दौरान माता शीतला मंदिर में आस्था, परंपरा और संस्कृति का संगम देखने को मिला। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव ने माता मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश व बस्तर की सुख समृद्धि की कामना की। बाद में जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण करने विभाग को निर्देश दिए। पारंपरिक रूप से ग्रामवासियों ने तिलक लगाकर विधायक का स्वागत किया । उन्होंने कहा बस्तर में मेला, मड़ई का विशेष महत्व होता है। जिसमें बस्तर की कला संस्कृति, परम्परा का समावेश होता है।

केशकाल में तेंदूपत्ता संग्रहण पर कार्यशाला का आयोजन

कोण्डागांव/केशकाल। वन मंडल केशकाल प्रांगण में जिला यूनियन स्तरीय तेंदूपत्ता संग्रहण कार्यशाला 2026 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वन संरक्षक लक्ष्मण सिंह भारतीय वन सेवा उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता वन मंडलाधिकारी श्रीमती दिव्या गौतम ने की। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने निर्देश दिए कि केवल मानक अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता वाले तेंदूपत्तों की ही खरीदी की जाए। खराब, टूटे–फूटे या अनुपयुक्त पत्तों को खरीद से बाहर रखने को कहा गया। तेंदूपत्ता संग्रहण एवं संकलन को निर्धारित मानक बोरा के अनुरूप सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। फड़ों के समुचित रख–रखाव, नियमित निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए, ताकि संग्रहित पत्तों को सुरक्षित रखा जा सके। अधिकारियों ने सभी कर्मचारियों को शासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में वन मंडल के विभिन्न परिक्षेत्रों के अधिकारी, प्रबंधक, फड़ अभिरक्षक एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

जंगल में शीतल प्याऊ बनी राहत की जीवनधारा

कोण्डागांव। भीषण गर्मी के इस दौर में जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है, वहीं जंगल मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और ग्रामीणों के लिए एक सराहनीय पहल सामने आई है। वन क्षेत्र में स्थानीय लोगों और वन विभाग के सहयोग से शीतल प्याऊ की व्यवस्था की गई है, जो इस तपती गर्मी में राहत का ठिकाना बन गई है। इस प्याऊ में पारंपरिक तरीके से मिट्टी के घड़ों में ठंडा पानी रखा गया है, जिससे दोपहर की तेज धूप में सफर करने वाले लोगों को तुरंत राहत मिल रही है। खासकर दूर–दराज के ग्रामीण और जंगल मार्ग से आने–जाने वाले यात्रियों के लिए यह व्यवस्था किसी वरदान से कम नहीं है। प्याऊ के पास लगाए गए सूचना बोर्ड पर साफ–सफाई बनाए रखने और जंगल में आग से बचाव के निर्देश भी दिए गए हैं।

समीक्षा : कलेक्टर ने की समय-सीमा बैठक में योजनाओं की समीक्षा

पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं सहित अन्य अभियानों का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

■ अभियानों की तैयारी सुनिश्चित करने के भी दिए निर्देश

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय–सीमा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार, बस्तर मुन्ने कार्यक्रम, नियद नेल्लानार तथा राजस्व पखवाड़ा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की समीक्षा करते हुए सिकल सेल, टीबी, एनीमिया सहित अन्य बीमारियों की जांच एवं उपचार बेहतर करने के निर्देश दिए गए। श्रम पंजीयन की स्थिति की समीक्षा करते हुए शिविरों के माध्यम से अधिकाधिक पंजीयन कराने एवं निर्माण स्थलों पर कार्यरत श्रमिकों का अनिवार्य पंजीयन सुनिश्चित करने को कहा गया। धान उठाव, कस्टम मिलिंग व राशन भंडारण की स्थिति की समीक्षा के साथ ही जनगणना के लिए सभी अधिकारियों को स्वगणना करने एवं कर्मचारियों को प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छता व पेंशन मामलों पर चर्चा

स्वच्छता सर्वेक्षण के तहत कचरा पृथक्करण और 'कबाड़ से जुगाड़ गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। साथ ही पेंशन प्रकरणों का समय–सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, पोषण अभियान सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बाखरा, करणपुर और सुकुरपाल में पहुंची प्रशासनिक टीम

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत विकासखंड कोंडागांव में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति परखने के लिए अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर ने ग्राम बाखरा, करणपुर और सुकुरपाल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सर्वे कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और मैदानी स्तर की चुनौतियों का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर ने सर्वे टीमों को निर्देशित किया कि वे एकत्रित सभी जानकारी की ऑनलाइन एंट्री निर्धारित समय सीमा में और पूर्ण सटीकता के साथ करें, ताकि शासन को अद्यतन व विश्वसनीय डेटा मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से लंबित सस्पेंडेड प्रकरणों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र रेफर करने और जांच व उपचार प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तत्काल लाभ मिल सके। अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों के अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने और प्रत्येक व्यक्ति की आभा आईडी तैयार करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि इससे लोगों को बेहतर और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना संभव होगा। सर्वे के दौरान टीमों को निर्देश दिए गए कि वे ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दें, ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठा सकें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक सुधार के लिए दिशा–निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डॉ. हरेंद्र बघेल और बीपीएम नीरज सोरी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने टीमों को मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशासन के इस औचक निरीक्षण से स्पष्ट है कि 'स्वस्थ बस्तर अभियान' को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग और सुधार की प्रक्रिया जारी है।

जंगल में गंदगी और शराबखोरी पर सख्ती 5000 तक जुर्माना

कोण्डागांव। कोंडागांव। ग्राम पंचायत कोकोड़ी ने जंगल क्षेत्र में बढ़ती गंदगी और शराब सेवन की समस्या पर कड़ा रुख अपनाते हुए अहम निर्णय लिया है। पंचायत द्वारा सड़क किनारे सूचना बोर्ड लगाकर स्पष्ट किया गया है कि जंगल में शराब पीना और कचरा फैलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। पंचायत के निर्देशानुसार यदि कोई व्यक्ति जंगल क्षेत्र में शराब का सेवन करते या कचरा फेंकते पाया जाता है, तो उस पर 5000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कदम अनुशासन बनाए रखने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से उठाया गया है। पंचायत का मानना है कि जंगल केवल प्रा—तिक संपदा ही नहीं, बल्कि वन्य जीवों का सुरक्षित आवास भी है। ऐसे में गंदगी और शराब सेवन जैसी गतिविधियां पर्यावरण के साथ–साथ वन्य जीवन को भी नुकसान पहुंचाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिकनिक या अन्य कारणों से लोग अक्सर जंगल में शराब पीकर कचरा फैला देते हैं, जिससे आसपास का वातावरण प्रदूषित होता है। पंचायत के इस सख्त निर्णय से अब क्षेत्र में स्वच्छता और अनुशासन कायम होने की उम्मीद है। पंचायत और प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और जंगल को स्वच्छ, सुरक्षित और संरक्षित रखने में सहयोग दें। कोकोड़ी पंचायत की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है, जो अन्य पंचायतों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

---

2 मांगों को लेकर सीपीआई ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया सीपीआई जिला परिषद कोंडागांव ने क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोंडागांव को प्रस्तुत किया गया, जिसमें बस्तर संभाग के आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रें से जुड़ी 12 प्रमुख मांगों पर तत्काल ध्यान देने की मांग की गई।

सीपीआई ने ज्ञापन में कहा कि ग्राम पंचायतों में सचिव एवं रोजगार सहायक की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। साथ ही आधार कार्ड में त्रुटियों को सुधारने की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग भी उठाई गई, जिससे आम नागरिकों को होने वाली परेशानी दूर हो सके। पार्टी ने बस्तर में उद्योग स्थापना के लिए भूरिया समिति की सिफारिशें लागू करने और स्थानीय युवाओं को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की भर्तियों में 100 प्रतिशत प्राथमिकता देने की मांग की। इसके अलावा खनन कार्य में भी स्थानीय समितियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। ज्ञापन में वनाधिकार कानून 2008 के तहत पात्र लोगों को अधिकार पत्र देने, शासकीय भूमि पर वर्षो् से निवासरत लोगों को निःशुल्क पट्टा प्रदान करने तथा बस्तर की मूल जातियों को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। सीपीआई ने बस्तर संभाग में चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना, जिला अस्पतालों को अत्याधुनिक बनाने, पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य केंद्र खोलने तथा मनरेगा के तहत 200 दिन रोजगार गारंटी देने की मांग की। साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने और पंचायत स्तर पर अनाज भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

किसानों के लिए पेंशन और पर्यावरण संरक्षण की मांग

ज्ञापन में 60 वर्ष से अधिक आयु के किसानों को वृद्धावस्था पेंशन देने तथा विकास कार्यों के नाम पर वनों की कटाई पर रोक लगाने और ग्राम सभा की अनुमति अनिवार्य करने की मांग भी शामिल है। सीपीआई ने स्पष्ट किया कि यदि इन समस्याओं पर शीघ्र ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी जनसमर्थन के साथ आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की होगी। सीपीआई का यह ज्ञापन बस्तर क्षेत्र की जमीनी समस्याओं को उजागर करता है, जिनके समाधान से क्षेत्रीय विकास और जनकल्याण को नई दिशा मिल सकती है।

6 कॉस्मेटिक दुकानों का औचक निरीक्षण, जांच के लिए सैंपल भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

■ 15 दिनों तक चलेगी खाद्य एवं औषधि की सघन जांच

जिले में सही दवा शुद्ध आहार–यही छत्तीसगढ़ का आधार थीम के तहत 27 अप्रैल से 11 मई तक 15 दिवसीय सघन जांच अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन, राजस्व एवं पुलिस विभाग का संयुक्त दल गठित किया गया है। औषधि जांच दल द्वारा 6 कॉस्मेटिक दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। संचालकों को दस्तावेज संधारण, एक्सपायर्ड उत्पाद अलग रखने एवं उत्पाद की जानकारी जांचकर खरीदने के निर्देश दिए गए। माजिसा एजेंसी, विकास नगर से एक कॉस्मेटिक सैंपल जांच के लिए राज्य प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य जांच दल ने गुपचुप ठेला, मोमो सेंटर, चाट कॉर्नर एवं डोसा सेंटर का निरीक्षण कर स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। संचालकों को ग्लव्स, कैप, एप्रन का उपयोग करने तथा साफ–सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। खाद्य पदार्थों में ताजी सामग्री का उपयोग करने एवं खाद्य रंग का प्रयोग निर्धारित मानक के अनुसार करने के निर्देश दिए गए। यह सघन जांच अभियान 15 दिनों तक निरंतर जारी रहेगा, जिसमें निर्धारित मानकों के अनुसार निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर जांच की मांग की

धान के कस्टम मिलिंग व परिवहन में अनियमितता बरती जा रही : मौर्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

कांग्रेस शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकतार्ओं ने समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान के कस्टम मिलिंग व परिवहन में अनियमितताओं के संबंध में कलेक्टर आकाश छिकारा को ज्ञापन सौंपा । मौर्य ने बताया 2025-26 में शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों से मोटा एवं पतला धान खरीदा गया। बस्तर जिले के लिए कस्टम मिलिंग संबंधी जो नीति निर्धारित की गई वह दुर्भाग्यपूर्ण एवं स्थानीय परिस्थितियों के प्रतिकूल रही। परिणामस्वरूप स्थानीय राइस मिलर्स द्वारा किसानों से उपार्जित धान का कस्टम मिलिंग नहीं किया गया। इस कारण उपार्जन केंद्रों में किसानों से खरीदा गया धान विगत छह माह से पड़ा हुआ है। उचित रखरखाव के अभाव में धान में सूखत (नुकसान) स्वाभाविक है, जिससे सहकारी समितियों को आर्थिक हानि हो रही है। वर्तमान में शासन द्वारा राज्य विपणन संघ के माध्यम से जिले के उपार्जन एवं संग्रहण केंद्रों से धान को अन्य जिली के राइस मिलर्स को मिलिंग हेतु डीओ जारी किया गया है। परंतु यह देखा जा रहा है कि बाहरी जिलों के राइस मिलर्स निर्धारित मात्रा में धान का उठाव नहीं कर रहे हैं। बल्कि अपने डीओ स्थानीय मिलर्स को बेच रहे हैं। नियमों के अनुसार वाहनों में जीपीएस अनिवार्य रूप से लगा होना चाहिए तथा धान की निर्धारित उपार्जन केंद्र से सीधे संबंधित मिल तक पहुंचाया जाना चाहिए। किन्तु जिला विपणन अधिकारी की मिलीभगत से बाहरी मिलर्स द्वारा जीपीएस का दुरुपयोग करते हुए धान का उठाव कर उसे जगदलपुर के स्थानीय मिलर्स को बेचा जा रहा है। इससे बाहरी मिलर्म परिवहन मद में हजारों रुपये का अनुचित लाभ अर्जित कर रहे हैं।

वाद्य यंत्रों की थाप में किया मांदरी नृत्य, जमकर थिरके पूर्व विधायक

आदिवासी पहचान बनाए रखना जरूरी: संतराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

पूर्व विधायक संतराम नेताम का आमजन के साथ डांस करने और घुलने-मिलने का सिलसिला जारी है। ग्राम तोसकापाल में शादी समारोह में शिरकत करने पहुंचे पूर्व विधायक संतराम नेताम मांदर की थाप पर वह आदिवासियों के साथ जमकर थिरके। हालांकि पूर्व विधायक नेताम इससे पहले भी डांस करते कई वीडियो वायरल हुए हैं, खासकर छत्तीसगढ़ी गीतों पर.. तोसकापाल केशकाल से एक रोचक वीडियो सामने आया है, जहाँ पूर्व विधायक संतराम नेताम आदिवासियों के पारंपरिक वेशभूषा के साथ मांदरी नृत्य की धुन पर झूमते हुए नजर आए। एक कार्यक्रम के दौरान मुरिया जनजाति के पारंपरिक नृत्य के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया, जहाँ पूर्व विधायक ने कलाकारों के साथ कदम से कदम मिलाकर मांदरी नृत्य किए।

गले में लटकाई मांदर, फिर बजाते हुए थिरके

दरअसल पूर्व विधायक विधायक गुलाब संतराम नेताम सोमवार को क्षेत्र के दौरे के दौरान केशकाल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तोसकापाल में एक शादी समारोह में शिरकत करने पहुंचे थे। वहां पर विधायक के स्वागत में ग्रामीण मांदर की थाप पर थिरक ही रहे थे तभी पूर्व विधायक भी ग्रामीणों के बीच पहुंच गए और मांदर मांगकर अपने गले में लटका ली। इसके बाद मांदर बजाते हुए उन्होंने थिरकना शुरू कर दिया। पूर्व विधायक काफी देर तक मांदर बजाते हुए थिरकते रहे। पूर्व विधायक का यह अंदाज लोगों को खूब भाता भी है। उसके बाद अब फिर उनका वीडियो और डांस सुर्खियों में है। पूर्व विधायक इस नृत्य के माध्यम से आदिवासी संस्कृति के प्रति अपना जुड़ाव और उत्साह दिखाते नजर आए। पूर्व विधायक का यह देसी अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मांदरी नृत्य बस्तर की धड़कन व परंपरा की पहचान

संतराम नेताम ने कहा की मांदरी नृत्य छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में मुरिया और गोंड जनजाति की समृद्ध आदिवासी परंपरा का एक महत्वपूर्ण और जीवंत हिस्सा है। यह नृत्य विशेष रूप से घोटुल संस्था से जुड़ा है। यह नृत्य न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि आदिवासी युवाओं (लया लयोर) के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक शिक्षा का एक माध्यम भी है। आदिवासी समाज के लोगों को परंपरा के अनुसार एक साथ मिलकर चलना चाहिए। आदिवासी समाज के लोग आज भी अपनी पुरानी परंपरा पर कायम है। यही कारण है कि आदिवासी समाज आगे बढ़ रहा है।

पेज 9 के शेष ...

दिव्यांग बहन पर कुर्सी...

घटना के समय आसपास के कई लोग मौजूद थे, जिन्होंने पूरी वारदात देखी। इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की है। मामला किया गया दर्ज, पुलिस ने आवेदन और जांच के उपरांत आरोपी सुधराम सलाम के खिलाफ धारा 115(1), 296, 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया।

महिला आरक्षण जैसे मुद्दे...

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बसंत यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेश ठाकुर, प्रदेश सचिव जनक नंदन कश्यप, महामंत्री उदय प्रकाश शर्मा, गफ्फार मेमन, सुमित राय सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांकेर में बनेगा फाइनेंशियल पार्क और स्टार्टअप इंक्युबेशन सेंटर, युवाओं को मिलेगा नया मंच

आर्थिक सशक्तीकरण और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले में आर्थिक सशक्तिकरण और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए जिला प्रशासन ने वित्तीय साक्षरता लैब के साथ फाइनेंशियल पार्क और स्टार्टअप इंक्युबेशन सेंटर स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में 27 व 28 अप्रैल को दो दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को वित्तीय रूप से जागरूक बनाना तथा उन्हें आधुनिक आर्थिक प्रणाली से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के पहले चरण में जिले के 80 चयनित विषय विशेषज्ञों को प्रशिक्षित किया गया, जो आगे चलकर पूरे जिले में वित्तीय साक्षरता अभियान को गति देंगे।

कलेक्टर की पहल पर वित्तीय साक्षरता लैब परिसर में ही फाइनेंशियल पार्क और स्टार्टअप इंक्युबेशन सेंटर नवाचार उद्यम संवर्धन केंद्र स्थापित किया जाएगा। शुरुआती चरण में 10 स्टार्टअप शुरू करने की योजना है, जिससे स्थानीय युवाओं को व्यवसाय, नवाचार और रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल लेन-देन, साइबर सुरक्षा, बैंकिंग सेवाओं का उपयोग, बचत की आदत और आय-व्यय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को बैंकिंग प्रणाली, ऋण, एटीएम, यूपीआई, बीमा, निवेश और साइबर फ्रॉड से बचाव जैसे पहलुओं की व्यावहारिक समझ भी दी जाएगी।

एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग को प्राथमिकता

वित्तीय साक्षरता लैब में कंप्यूटर आधारित डिजिटल लर्निंग सिस्टम, ऑडियो-विजुअल सामग्री, इंटरएक्टिव कंटेंट, सिमुलेशन गेम्स और बैंकिंग-बीमा के मॉडल सेटअप उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे प्रतिभागी व्यवहारिक तरीके से सीख सकेंगे। इस पहल में पारंपरिक पढ़ाई के बजाय एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग को प्राथमिकता दी गई है। रोल-प्ले, समूह गतिविधियों और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों पर आधारित प्रशिक्षण के जरिए लोगों को वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता विकसित की जाएगी। इस योजना का लाभ स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, ग्रामीण और शहरी नागरिक, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, बेरोजगार युवा तथा उद्यमिता में रुचि रखने वाले लोग उठा सकेंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षा को बढ़ावा देती है और सीखने से निर्णय लेने तक की सोच को साकार करती है।

खबर संक्षेप

वैज्ञानिकों ने जल संरक्षण व फसल विविधीकरण की दी जानकारी

गीदम। पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य में दंतेवाड़ा जिले के ग्राम- कुंडेनार, ब्लॉक- गीदम में पंचायत राज दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों से आए ग्रामीणों, किसानों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में गीदम स्थित कृषि विज्ञान केंद्र दंतेवाड़ा के दो कृषि वैज्ञानिक डीप्रोशन एवं डॉ ईशांत कुमार सुकदेवे विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पंचायत राज व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण विकास में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया।कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों, मृदा परीक्षण, जल संरक्षण तथा फसल विविधीकरण के बारे में जानकारी दी। साथ ही किसानों द्वारा झेली जा रही समस्याओं जैसे सिंचाई की कमी, बीज की उपलब्धता, फसल प्रबंधन एवं बाजार व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों ने भी अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका वैज्ञानिकों द्वारा समाधान प्रस्तुत किया गया और उन्हें व्यावहारिक सुझाव दिए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित ग्रामीणों ने पंचायत राज संस्थाओं को मजबूत बनाने तथा कृषि क्षेत्र में सामूहिक प्रयासों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया

गीदम। जिला कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अजय रामटेके मार्गदर्शन में गीदम विकासखंड में विश्व मलेरिया दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विधिक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस वर्ष की थीम मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रेरित, हम कर सकते हैं, अब हमें ही करना होगा के आधार पर कई कार्यक्रम किया गया।
यह कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गीदम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जावँगा सहित विकासखंड के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रो में आयोजित किया गया।

पेड़ से लटककर युवक ने दी जान, मर्ग कायम

कांकेर। परतापुर थाना क्षेत्र के 19 वर्षीय सहदेव दास पिता जीवन ने पीव्ही 65 में आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। प्रारंभिक जांच में फांसी लगने से मृत्यु होना पाया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। परिजनों से पूछताछ की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

पेयजल संकट पर सरकार गंभीर नहीं मोदी की गारंटी विफल : लखेश्वर बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

बस्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने देश में लगातार गहराते पेयजल संकट और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश में भू-जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, पृथ्वी की गहराइयों में पानी खिसकता जा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस और दूरदर्शी योजना प्रस्तुत नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि जल स्तर इतनी गहराई तक पहुंच चुका है कि सामान्य बोर खनन मशीनों से पानी निकालना कठिन हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पेयजल के लिए दर-दर भटक रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार के पास इस संकट से निपटने के लिए कोई प्रभावी रणनीति नहीं है। जल संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण और स्थायी जल प्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा, पेयजल, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मूलभूत मुद्दों पर पूरी तरह असफल रही है। जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय भाजपा केवल जाति-पांति और धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति कर सत्ता हासिल करना चाहती है। लखेश्वर बघेल ने जल जीवन मिशन पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा हर घर नल से जल पहुंचाने की दी गई मोदी गारंटी आज जमीनी स्तर पर पूरी तरह फेल साबित हुई है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद देश के अनेक गांवों में आज भी लोगों को स्वच्छ पेयजल नसीब नहीं हो रहा है। कहीं पाइपलाइन बिछी है लेकिन पानी नहीं आ रहा, तो कहीं निर्माण कार्य अधूरे पड़े हैं। कई स्थानों पर भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जल जीवन मिशन को भी केवल प्रचार और चुनावी लाभ का साधन बना दिया है। वास्तविकता यह है कि ग्रामीण जनता आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष कर रही है। विधायक ने मांग की कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत हुए सभी कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों पर कठोर कार्रवाई की जाए तथा जिन गांवों में आज तक पेयजल नहीं पहुंचा है, वहां तत्काल योजना को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि देश की जनता को नारों और विज्ञापनों की नहीं, बल्कि धरातल पर ठोस कार्यों की आवश्यकता है।

महिलाओं और बच्चों के अधिकारों पर जोर

बीजापुर। विशेष ग्राम सभा में ग्रामीण अंचलों में जागरूकता और जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब ग्राम पंचायत कडेर मे खुले प्राकृतिक वातावरण में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। पेड़ों की छांव में आयोजित इस सभा में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभा के दौरान महिलाओं को सखी वन स्टॉप सेंटर में मिलने वाली सुविधाओं, संकट की स्थिति में सहायता हेतु महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी विस्तार से प्रदान की गई। उपस्थित ग्रामीणों को बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों में ये सेवाएं उनके लिए कैसे सहारा बन सकती हैं। वहीं, ग्राम पंचायत चिन्नाकवाली में भी ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमें सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर बाल विवाह मुक्त अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, घरेलू हिंसा से संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जब पूरा गांव बना स्कूल का सहारा मांझीगुड़ा में शिक्षा का नया मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोंड/बस्तर

बस्तर विकासखंड के ग्राम पंचायत तालूर स्थित प्राथमिक शाला मांझीगुड़ा में प्रगति पत्र वितरण समारोह ने शिक्षा और समाज के रिश्ते को नई मिसाल दी। जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम के पश्चात प्रगति पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि पूरा गांव एकजुट होकर इसमें शामिल हुआ। 200 से अधिक ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को जनउत्सव का रूप दे दिया। बच्चों की सफलता पर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से उत्साह व्यक्त किया। विद्यालय में जनसहयोग से आहाता निर्माण, पालकों का श्रमदान और आर्थिक सहयोग इस स्कूल की पहचान बन चुका है। शिक्षक नारायणलाल साहू के प्रयासों से संचालित रात्रिकालीन कक्षाओं ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को नई ऊंचाई दी है। इसका परिणाम यह रहा कि कक्षा पहली से चौथी तक 90 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी 'ए' ग्रेड में सफल रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण करते हुए किचन गार्डन की सराहना की और इसे बस्तर जिले के लिए आदर्श मॉडल बताया। साथ ही पालकों की मांग पर आगामी सत्र से पूर्व शाला भवन की मरम्मत कराने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान शाला परिवार द्वारा ग्रामीणों एवं पालकों के लिए सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई जहां अधिकारी और ग्रामीण एक साथ बैठे। यह दृश्य सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक बनकर उभरा। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन, बीआरसी अजमर कोर्राम, सरपंच कमलोचन कश्यप, उपसरपंच देवकी कश्यप, संकुल समन्वयक तुलसी कश्यप सुबर्धन कश्यप, सुमेश कश्यप, पिलाशिंग, बलदेव, मुन्ना, किशन, जयदेव, सूर्यपाल, कृष्ण, अनंतराम, दुर्योधन, शंकर, पदम, बालसिंह, पदमन, घसु, मंगलसाय, जगन्नाथ, कुंजवती, रीता, आसमती, मंग़री कश्यप समेत ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शैलेंद्र तिवारी ने किया।

हिंगनझर के खेत में चल रहे जुआ फड़ पर सायबर टीम-पुलिस का छापा, 4 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम हिंगनझर में आधी रात को खेत की लाडी में चल रहे बड़े जुआ फड़ पर पुलिस और सायबर टीम ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर रेड मारी। इस कार्यवाही में 4 जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा गया है, जबकि अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की रात चारामा पुलिस की टीम सहायक उपनिरीक्षक माखन लाल नागवंशी के नेतृत्व में सायबर टीम कांकेर के साथ इलाके में गश्त और अपराधियों की पतासाजी पर निकली थी। इसी दौरान पुलिस को पुख्ता मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम हिंगनझर में दिनेश गावडे के खेत के पास स्थित लाडी में कुछ लोग लाइट की रोशनी में ताश के पत्तों पर बड़ी रकम का दांव लगा रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल दो स्थानीय गवाहों को नोटिस देकर साथ लिया और ग्राम हिंगनझर चौक से रवाना हुए। पुलिस ने रणनीतिक तरीके से खेत की घेराबंदी की। जैसे ही टीम मौके पर पहुंची, वहां लाइट की रोशनी में जुआ खेल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। पकड़े गए आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। चूंकि यह मामला जमानतीय प्रकृति का था, इसलिए मौके पर ही औपचारिक गिरफ्तारी के बाद उन्हें मुचलके पर रिहा किया गया। पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य फरार जुआरियों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने 4 जुआरियों को दबोचा

दिनेश गावडे पिता गोकुल राम गावडे उम्र 46 वर्ष निवासी हिंगनझर, सुनील देवांगन पिता पवन देवांगन उम्र 31 वर्ष साकिन चारामा थाना चारामा, खेमन सेवता पिता अंजोर सेवता उम्र 42 वर्ष साकिन गितपहर थाना नरहरपुर और भूपेन्द्र सिन्हा पिता बालिक राम सिन्हा उम्र 29 साल साकिन हिंगनझर थाना चारामा को दबोचा गया।

नगदी और वाहन बरामद

तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से और फड़ से कुल 11,040 रुपये की नगद राशि बरामद की। इसके साथ ही 52 ताश के पत्ते, बैठने के लिए इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की बोरी और जुआरियों द्वारा आवागमन के लिए उपयोग की जाने वाली दो मोटरसाइकिलें होंडा शाइन सीजी 19 बीवाय 6775 और होंडा सीडी 110 क्रमांक सीजी 19 बीक्यू 3025 भी जब्त की गई हैं।

विद्यार्थियों की मुस्कान ही असली सफलता सीबीएसई कार्यशाला में वेलनेस का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

विद्यार्थियों की मानसिक सेहत को शिक्षा के केंद्र में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भुवनेश्वर द्वारा जेपी इंटरनेशनल स्कूल कांकेर में एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में बस्तर संभाग के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 60 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य रिसोर्स पर्सन बी. हेमलता और आनंद कुमार त्रिपाठी ने चार सत्रों में शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि एक शिक्षक केवल शैक्षणिक मार्गदर्शक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए मेंटल हेल्थ मेंटर भी होता है, जो उनकी भावनात्मक आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें सही दिशा प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने सोशल इमोशनल लर्निंग को दैनिक शिक्षण प्रक्रिया में शामिल करने के व्यावहारिक उपाय भी साझा किए। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्यालय के प्राचार्य एवं वेन्यू डायरेक्टर रितेश कुमार चौबे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य अब शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विद्यालयों में ऐसा वातावरण तैयार करना आवश्यक है, जहां विद्यार्थी और शिक्षक दोनों ही अपनी मानसिक चुनौतियों पर खुलकर संवाद कर सकें।

कार्यशाला की शुरुआत पारंपरिक स्वागत एवं पूजन के साथ हुई। करिश्मा परवीन ने विशेषज्ञों का परिचय प्रस्तुत किया। समापन सत्र में प्राचार्य द्वारा रिसोर्स पर्सन का शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। अवनीश ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात सामूहिक फोटोग्राफी और सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह कार्यशाला शिक्षा जगत के लिए एक सकारात्मक पहल साबित हुई, जिसने यह संदेश दिया कि अब केवल अंक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की मुस्कान और उनका मानसिक स्वास्थ्य भी सफलता का महत्वपूर्ण पैमाना है।

भट्टीपारा में विधिविधान से हुई माता शीतला स्थापना एवं देव जात्रा

- विधायक सावित्री ने विधिवत पूजन कर मांगी सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

नगर के भट्टीपारा क्षेत्र में आयोजित माता शीतला स्थापना एवं देव जात्रा कार्यक्रम श्रद्धा, आस्था और उत्साह के माहौल में हुआ। इस धार्मिक आयोजन में भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने माता शीतला एवं पेन शक्तियों का विधिवत पूजन कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति द्वारा उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं, देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा और सामुदायिक सहभागिता प्रदेश की पहचान हैं, और इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति को भव्य आयोजन के लिए बधाई भी दी।

पारंपरिक वेशभूषा में हुए शामिल: देव जात्रा के दौरान पारंपरिक वेशभूषा, लोकधुन, पूजा-विधि और सामुदायिक सहभागिता ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। देर शाम तक भट्टीपारा क्षेत्र में उत्सव जैसा वातावरण बना रहा।

ये रहे उपस्थित: इस अवसर पर ग्राम गायता बैजनाथ नरेटी, विभिन्न क्षेत्रों से आए गायता, पटेल, धनेश नरेटी, हुमन मरकाम, महत्तम दुग्गा एवं अन्य नागरिक शामिल हुए।

माहेश्वरी समाज ने खोला प्याऊ राहगीरों को मिलेगी राहत

गीदम। माहेश्वरी समाज गीदम द्वारा भीषण गर्मी में राहगीरों की सुविधा के लिए प्याऊ खोला गया। इस पुनीत कार्य में समाज के सभी सदस्य, युवा संगठन और महिला संगठन के पदाधिकारी-सदस्य बढ़-चढ़कर शामिल हुए। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म है। प्याऊ के माध्यम से आमजन, राहगीरों और श्रमिकों को ठंडा व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजन, युवा संगठन के सदस्य और महिला संगठन की बहनों ने श्रमदान कर सेवा का संकल्प लिया। समाज ने आगे भी जनहित के ऐसे कार्य जारी रखने की बात कही।

गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

नगर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौवंश के संरक्षण और सम्मान हेतु एक विशाल रैली निकाली गई। इस दौरान भारी संख्या में गौ-भक्तों, संत समाज और जागरूक नागरिकों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रैली के समापन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम एक विस्तृत ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन के साथ संलग्न परिशिष्ट-ई में नगर के प्रबुद्ध नागरिकों और आम जनता के हस्ताक्षर शामिल हैं, जो यह दर्शाते हैं कि गौवंश संरक्षण अब केवल कुछ लोगों की मांग नहीं, बल्कि पूरे बचेली नगर की सामूहिक आवाज बन चुका है। अभियान के सदस्यों ने केंद्र सरकार से मांग की है कि भारतीय देशी गौवंश को राष्ट्रमाता का आधिकारिक संवैधानिक दर्जा दिया जाए। ज्ञापन में 8 प्रमुख बिंदुओं पर जोर दिया गया है, जिनमें शामिल हैं। गौ-हत्या और तस्करी को रोकने के लिए केंद्रीय गौ सेवा एवं संरक्षण अधिनियम लागू कर इसे गैर-जमानती अपराध घोषित किया जाए। केंद्र में एक अलग गौ सेवा मंत्रालय का गठन हो।

गोबर और गोमूत्र पर आधारित गव्य अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना ताकि किसान आत्मनिर्भर बन सकें। राजमार्गों पर घायल गायों के लिए गौ-वाहिनी एम्बुलेंस और हर पंचायत स्तर पर नंदीशाला का निर्माण। बचेली तहसीलदार ने प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन प्राप्त किया और उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी मांगों और भावनाओं को उचित माध्यम से उच्च अधिकारियों और शासन तक प्रेषित कर दिया जाएगा।

खाद-बीज की उपलब्धता पर करें नियमित कार्यवाही : निगार

जगदलपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने किसानों की मांग के अनुरूप बीज-खाद और फसल ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। बीज-खाद का लक्ष्य के अनुरूप भंडारण एवं निर्धारित नवीन उर्वरक वितरण प्रणाली के माध्यम से किसानों को उर्वरक प्रदाय किया जाए। खाद-बीज के गुण नियंत्रण के लिए नियमित तौर पर निरीक्षण करने सहित जांच एवं कार्यवाही अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को खाद-बीज और फसल ऋण सुलभता की नियमित तौर पर समीक्षा करने सहित किसान क्रेडिट कार्ड में अद्यतन प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने उर्वरक के विकल्प के तौर पर हरी खाद, नील हरित काई एवं जैव उर्वरक के उपयोग के लिए भी अधिकाधिक किसानों को प्रोत्साहित करने कहा और आवश्यक इनपुट उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही पशुपालन, कुक्कुटपालन, सूकरपालन, बकरापालन सहित मत्स्यपालन और उद्यानिकी फसलों की खेती इत्यादि आनुषांगिक सेक्टरों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड प्रदाय पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

सहकारिता को लेकर हुई बैठक, सहकारिता पर जोर

कांकेर। जिला वनोपज सहकारी संघ कांकेर के अध्यक्ष नितिन पोटाई ने दिल्ली प्रवास के दौरान एनसीयूआई के मुख्य कार्यकारी पंकज श्रीवास्तव से मुलाकात किया और बस्तर क्षेत्र में सहकारिता आंदोलन की धीमी प्रगति और संभावनाओं पर चर्चा हुई। आदिवासी अंचलों में महुआ जैसे वनोपज के बेहतर मूल्य हेतु संग्राहकों को सहकारिता से जोड़ने की आवश्यकता बताई। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर पुनः शुरू करने का भी आग्रह किया। इस पर उन्होने पूर्ण सहयोग और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। बैठक में कमलेश कोमरा और जे.पी. गुप्ता भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में मिले 27 आवेदन

कांकेर। जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर कुल 27 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने प्राप्त आवेदनों पर कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों ने मांग तथा समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत किए।

कई घंटों बाद पाया गया काबू, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

तेंदूपत्ता गोदाम में भीषण आग, लापरवाही की चिंगारी ने लिया विकराल रूप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

दल्ली रोड स्थित वन विभाग के तेंदूपत्ता गोदाम में मंगलवार को लगी आग से पूरे इलाके में हड़कंप मचा गया। सूखे पत्तों में भड़की लपटें देखते ही देखते बेकाबू हो गईं और घंटों की मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड आग पर काबू पाया। इस घटना ने गोदाम में मौजूद सुरक्षा व्यवस्थाओं की गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है।

मंगलवार 28 अप्रैल को दल्ली रोड स्थित वन विभाग के तेंदूपत्ता गोदाम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गोदाम में रखे सूखे तेंदूपत्तों ने आग को तेजी से फैलने का मौका दिया, जिससे कुछ ही देर में स्थिति विकराल हो गई। जानकारी मिलते ही नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पहली कोशिश नाकाम रही। बाद में टीम को दोबारा प्रयास करना पड़ा और कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

इस घटना ने गोदाम में सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन इस घटना ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि यदि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो भविष्य में इससे भी बड़ा हादसा हो सकता है।

फायर एक्सटिंग्विशर हो चुके थे एक्सपायर : सबसे बड़ी लापरवाही यह सामने आई कि गोदाम में मौजूद फायर एक्सटिंग्विशर एक्सपायर हो चुके थे, जिससे शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने का मौका ही गंवा दिया गया। इसके अलावा, गोदाम प्रभारियों को फायर सेफ्टी, आपातकालीन प्रबंधन और उपकरणों के उपयोग की पर्याप्त जानकारी भी नहीं है। नियमित निरीक्षण, उपकरणों की जांच और फायर ड्रिल जैसी जरूरी प्रक्रियाएं केवल कागजों तक सीमित पाई गईं।

सुरक्षा के नहीं है पर्याप्त इंतजाम

गोदाम प्रभारी संत कुमार ने खुद माना कि परिसर में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं हैं और कोई भी व्यक्ति आसानी से अंदर प्रवेश कर सकता है। परिसर में कुल सात गोदाम हैं, जिनमें से छह में तेंदूपत्ता भंडारित है। सहायक गोदाम प्रभारी पुनीता मरकाम मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि तेंदूपत्ता भंडारण के दौरान हर साल इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, जिससे अब संदेह और चिंता बढ़ने लगी है।

मंगहूर में विधायक ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, विकास कार्यों का दिया भरोसा

दुर्गुकोंदल। विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम मंगहूर में उस समय उत्साह, उमंग और हर्ष का माहौल देखने को मिला जब भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी पहली बार गांव पहुंचीं। ग्रामवासियों के अनुसार यह पहला अवसर था जब किसी विधायक का ग्राम मंगहूर आगमन हुआ, जिसके कारण पूरे गांव में विशेष खुशी और उत्सुकता का वातावरण बना रहा।

विधायक के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका आत्मीय स्वागत किया। तिलक लगाकर, पुष्पहार पहनाकर तथा जयकारों के बीच विधायक का अभिनंदन किया गया। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया। गांव की गलियों और चौपालों में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। विधायक सावित्री ने ग्रामीणों के स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांवों का विकास, संस्कृति का संरक्षण और लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना जनप्रतिनिधि का प्रमुख दायित्व है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचलों की परंपरा, सामाजिक एकता और आत्मीयता ही छत्तीसगढ़ की असली ताकत है। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष गांव की विभिन्न समस्याओं, विकास कार्यों की जरूरतों और आवश्यक सुविधाओं को लेकर चर्चा की। विधायक ने सभी बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि गांव के विकास के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे तथा आवश्यक कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे कराए जाएंगे। कार्यक्रम में गोपी बढ़ाई, धनेश नरेटी, हुमन मरकाम, सियाराम पोटाई, नागसाय तुलावी, हीरू राम जाड़े, सुकलू तुलावी, निरिंगसाय तुलावी, कमलेश तुलावी, नोहरू राम तुलावी सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

नगर पंचायत अध्यक्ष ने स्वयं किया स्व-गणना, नागरिकों से भागीदारी की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

जनगणना 2027 के तहत शुरू हुई स्व-गणना सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया को लेकर नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के अध्यक्ष ने स्वयं पहल करते हुए अपनी जनगणना पूरी की और नागरिकों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने भानुप्रतापपुर सहित पूरे जिले के लोगों से इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने निखिल सिहं राठौर ने कहा कि यह शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे घर बैठे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जनगणना स्वयं भरें और जब प्रगणक गणना कर्मी उनके घर पहुंचे, तो उन्हें सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने जानकारी दी कि छत्तीसगढ़ के लिए स्व-गणना का आधिकारिक पोर्टल प्रारंभ हो चुका है। ऐसे में नागरिक चाहें तो प्रगणक एवं पर्यवेक्षक निरीक्षक को भी इस पोर्टल के बारे में अवगत कराते हुए सीधे उसी पर प्रविष्टि करवा सकते हैं। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सही आंकड़े ही भविष्य की योजनाओं की मजबूत नींव होते हैं। यदि नागरिक सटीक जानकारी देंगे, तो सरकार क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों के अनुसार योजनाएं बना सकेगी और उनका लाभ जरूरतमंदों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा। उन्होंने सभी नागरिकों से जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग देने और इस डिजिटल सुविधा का अधिकतम उपयोग करने की अपील की है, ताकि विकास कार्यों को सही दिशा मिल सके।